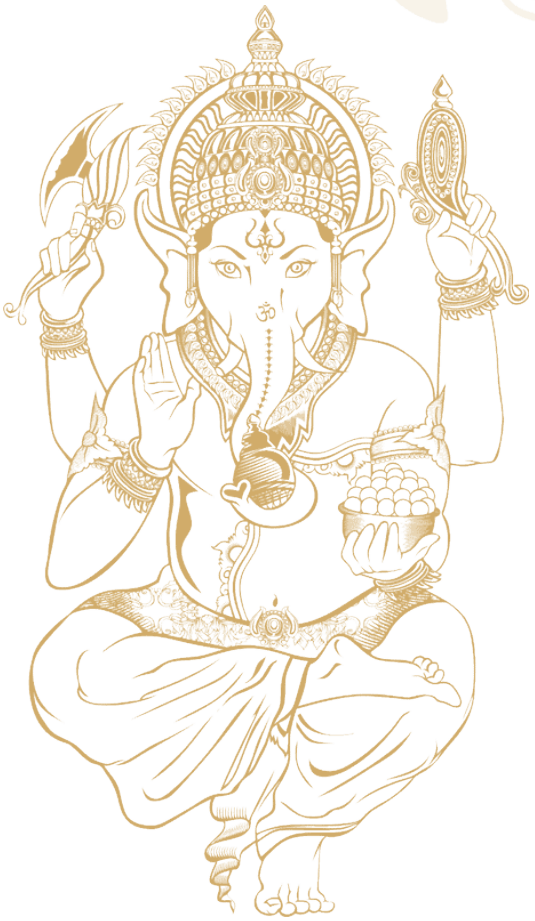

18 Aug 1978

07:08 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120978105

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**18/08/1978**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**07:08:00 घंटे**
इष्ट	03:10:54 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:46:52 घंटे
वेलान्तर	-00:03:55 घंटे
साम्पातिक काल	04:31:09 घंटे
सूर्योदय	05:51:38 घंटे
सूर्यास्त	18:57:58 घंटे
दिनमान	13:06:20 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	01:12:54 सिंह
लग्न के अंश	16:55:40 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 1**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	शोभन
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	गा-गगन
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	16:55:40	315:19:59	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	---
सूर्य			सिंह	01:12:54	00:57:41	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मूलत्रिकोण
चंद्र			मक	26:10:49	15:02:32	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	गुरु	सम राशि
मंगल			कन्या	15:01:11	00:38:04	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
बुध	व	अ	सिंह	02:37:07	00:51:25	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
गुरु			कर्क	02:45:30	00:12:35	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	उच्च राशि
शुक्र			कन्या	16:53:24	01:01:47	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	नीच राशि
शनि		अ	सिंह	09:12:35	00:07:34	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	शत्रु राशि
राहु	व		कन्या	03:28:46	00:03:52	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	03:28:46	00:03:52	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	मूलत्रिकोण
हर्ष			तुला	19:05:14	00:01:25	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	---
नेप	व		वृश्चि	22:00:50	00:00:19	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	सूर्य	---
प्लूटो			कन्या	21:08:49	00:01:41	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	---
दशम भाव			वृष	15:54:15	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:33:32

लग्न-चलित

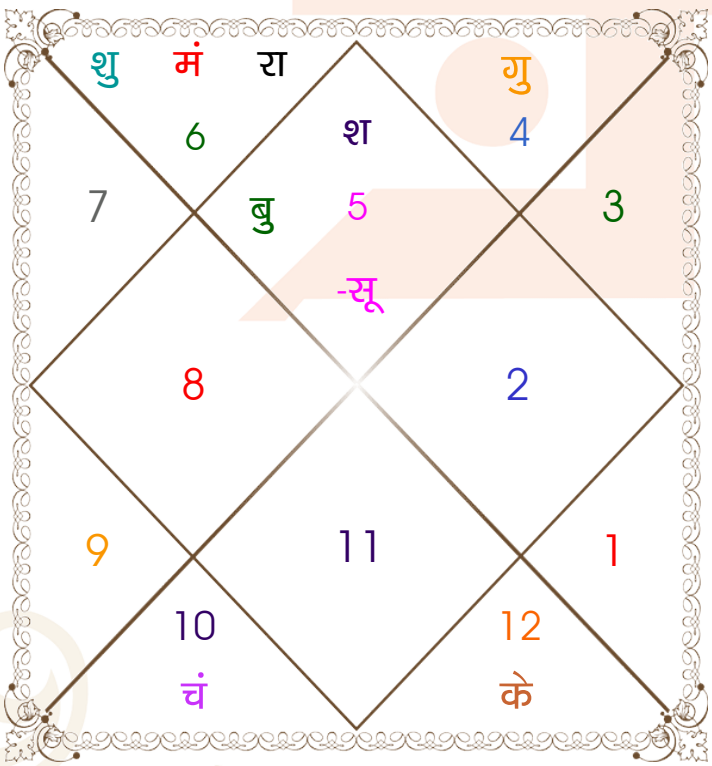

चन्द्र कुंडली

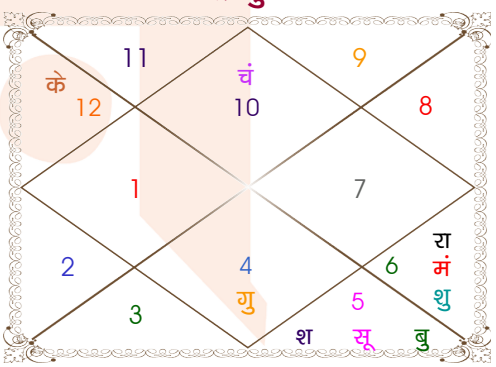

नवमांश कुंडली

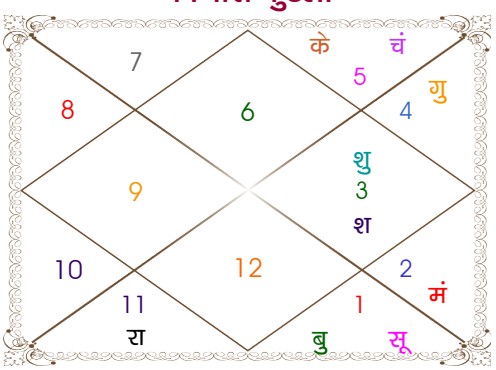

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 5 वर्ष 6 मास 1 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
18/08/1978		19/02/1984		18/02/2002		18/02/2018		18/02/2037	
19/02/1984		18/02/2002		18/02/2018		18/02/2037		18/02/2054	
	00/00/0000	राहु	01/11/1986	गुरु	07/04/2004	शनि	21/02/2021	बुध	18/07/2039
	18/08/1978	गुरु	26/03/1989	शनि	20/10/2006	बुध	01/11/2023	केतु	14/07/2040
गुरु	11/07/1979	शनि	31/01/1992	बुध	25/01/2009	केतु	10/12/2024	शुक्र	15/05/2043
शनि	19/08/1980	बुध	20/08/1994	केतु	31/12/2009	शुक्र	09/02/2028	सूर्य	20/03/2044
बुध	16/08/1981	केतु	07/09/1995	शुक्र	31/08/2012	सूर्य	21/01/2029	चंद्र	19/08/2045
केतु	13/01/1982	शुक्र	07/09/1998	सूर्य	20/06/2013	चंद्र	23/08/2030	मंगल	17/08/2046
शुक्र	15/03/1983	सूर्य	02/08/1999	चंद्र	20/10/2014	मंगल	02/10/2031	राहु	05/03/2049
सूर्य	21/07/1983	चंद्र	31/01/2001	मंगल	26/09/2015	राहु	08/08/2034	गुरु	11/06/2051
चंद्र	19/02/1984	मंगल	18/02/2002	राहु	18/02/2018	गुरु	18/02/2037	शनि	18/02/2054

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
18/02/2054		18/02/2061		18/02/2081		18/02/2087		18/02/2097	
18/02/2061		18/02/2081		18/02/2087		18/02/2097		00/00/0000	
केतु	17/07/2054	शुक्र	19/06/2064	सूर्य	07/06/2081	चंद्र	20/12/2087	मंगल	17/07/2097
शुक्र	16/09/2055	सूर्य	20/06/2065	चंद्र	07/12/2081	मंगल	20/07/2088	राहु	05/08/2098
सूर्य	22/01/2056	चंद्र	18/02/2067	मंगल	14/04/2082	राहु	19/01/2090	गुरु	18/08/2098
चंद्र	22/08/2056	मंगल	19/04/2068	राहु	09/03/2083	गुरु	21/05/2091		00/00/0000
मंगल	18/01/2057	राहु	20/04/2071	गुरु	26/12/2083	शनि	19/12/2092		00/00/0000
राहु	06/02/2058	गुरु	19/12/2073	शनि	07/12/2084	बुध	20/05/2094		00/00/0000
गुरु	13/01/2059	शनि	18/02/2077	बुध	13/10/2085	केतु	19/12/2094		00/00/0000
शनि	22/02/2060	बुध	20/12/2079	केतु	18/02/2086	शुक्र	19/08/2096		00/00/0000
बुध	18/02/2061	केतु	18/02/2081	शुक्र	18/02/2087	सूर्य	18/02/2097		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 5 वर्ष 6 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। साथ ही कन्या नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण द्वारा एक शुभ आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भारत स्थित शहरी क्षेत्र के निवासियों के समान जो कार्य काल बसों की प्रतीक्षा और दौड़-धूप कर अपने कार्य पर पहुंचते है। उस प्रकार की दिक्कतें का सामना आपको नहीं करना होगा। अर्थात् जन्म के शुभ लक्षण से यह प्रतीत हो रहा है कि आपको जन्म से ही वाहन सुख प्राप्त होगा।

आपको कही भी यात्रा क्रम में सार्वजनिक यातायात के लिए गाड़ी बस ट्रान्सपोर्ट आदि प्रकार की सुविधा हेतु बिना संघर्ष के ही आपकी यात्रा के पथ प्रशस्त होंगे। कही भी बस आदि से यात्रा हेतु कतार में लगकर अपने समय का अपव्यय नहीं करना पड़ेगा। आपको अपनी यात्रा हेतु अपने पास कार-बस आदि उपलब्ध होने का लाभ एवं आनन्द प्राप्त करने का वरदान प्राप्त है। वास्तविकता तो यह है कि आपको अपने स्वयं के पास वाहनों की सुविधा युक्त समर्थ होने का सौभाग्य प्राप्त है।

आपका जीवन उत्तम प्रकार के वाहन सुखों से युक्त, आरामदायक एवं आनन्द से परिपूर्ण रहेगा। आप अपार धन, सम्पति से युक्त कुशाग्र बुद्धि के विद्वान एवं अनेक कलाओं में प्रवीण होंगे। आप सर्वोत्तम प्रकार से अपना जीवन व्यतीत करेंगे। आप निम्नरूपेण उच्च श्रेणी की सेवा एवं कर्म से संबंधित रहेंगे। जो आपके लिए उपयुक्त एवं लाभप्रद प्रमाणित होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सतत कठिन श्रम करने वाले, उपव्यवसाय की खोज में लगे रहने वाले, दृढ़निश्चयी एवं प्रभावशाली प्राणी होंगे। आप सदा-सर्वदा कार्य विन्दु को निर्धारित समय से पूर्व संपन्न करने के पहले ही अन्य कार्य को हस्तगत करने के इच्छुक रहेंगे तथा आप निश्चित रूप से अपने अनुबंध में सफलता प्राप्त करेंगे।

आप भ्रमणप्रिय हैं। आप अपना अधिक समय घर से बाहर अन्यत्र बिताएंगे। किसी प्रकार विवश होकर कुछ समय अपने प्रिय परिवार के लिए बचाकर उनके साथ बिताएंगे। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य से सभी कार्यों को प्रसन्नतापूर्वक संपन्न कर लेंगे।

आपकी मित्र मण्डली बड़ी होगी। आपके मित्र आपको सहानुभूति पूर्वक मान-प्रतिष्ठा प्रदान करेंगे। आप अपने रास्ते से चलेंगे-वे मित्रगण आपका सहयोग करेंगे। मित्रगण आपका उच्चस्तरीय मूल्यांकन कर अपनी दिशा मोड़कर आपकी पंक्ति में खड़े होंगे अर्थात् आपको साथ देंगे।

आप मात्र अपने कर्म व्यवसाय से ही नहीं अच्छे लाभ प्राप्त करेंगे। आप तो सदैव भाग्यशाली समय अर्थात् मौके की तलाश में रहकर अपने भाग्य को दाव पर लगाकर लाभ प्राप्त करेंगे। इसका यह अर्थ नहीं कि आप सदैव ही जुआ खेलकर अपने भाग्योन्नति हेतु प्रयास करेंगे। परन्तु आप यदा-कदा पाशे फेंक कर आपने इस कर्म को लाभदायक प्रमाणित कर सकते हों।

आपकी महत्वपूर्ण आय प्रर्याप्त है, इसमें किसी भी प्रकार की दुर्भावना नहीं है। आप बहुत धन संचय करने में समर्थ नहीं हैं क्योंकि आप जन सामान्य की नजरों में यह प्रदर्शित करेंगे कि आप अपने परिवार को एक धनाढ्य व्यक्ति की तरह भरण पोषण करते हैं। आप सदैव अपनी आय का कुछ अंश अपने घर में व्यय करेंगे।

यद्यपि आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। तथापि बाद में कतिपय रोगादि के प्रति आपको थोड़ी सतर्कता बरतना आवश्यक है। क्योंकि आपका कार्यक्रम व्यस्ततम रहता है तथा लम्बे समय तक कार्यरत रहेंगे।

आपकी यह कार्यतंत्रियाँ अधिक समय तक कार्यरत रहने के लिए सक्षम नहीं भी हो सकता है। फलस्वरूप आपके हृदय पर एवं रीढ़ की हड्डियों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अतएव आपको इस व्यस्ततम कार्यक्रम का प्रतिकार कर शान्तिपूर्वक विश्राम ग्रहण करना चाहिए।

आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं जीवन पर अनुकूल प्रभाव हेतु पूर्णिमा का व्रत रखना अच्छा होगा। इससे आपको विभिन्न प्रकार का अति सहयोग प्राप्त होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अनुकूल एवं प्रदोल्लित करने वाले अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। रंग नीला, सफेद एवं काला रंग आपके लिए प्रतिकूल रंग है।